hindustantimes

Staging a change

IDEAS ON TRACK As more colleges host TEDx talks, bringing experts face-to-face with students, the platform is emerging as a new space for ideas and networking. It's now a win-win on both sides of the dais

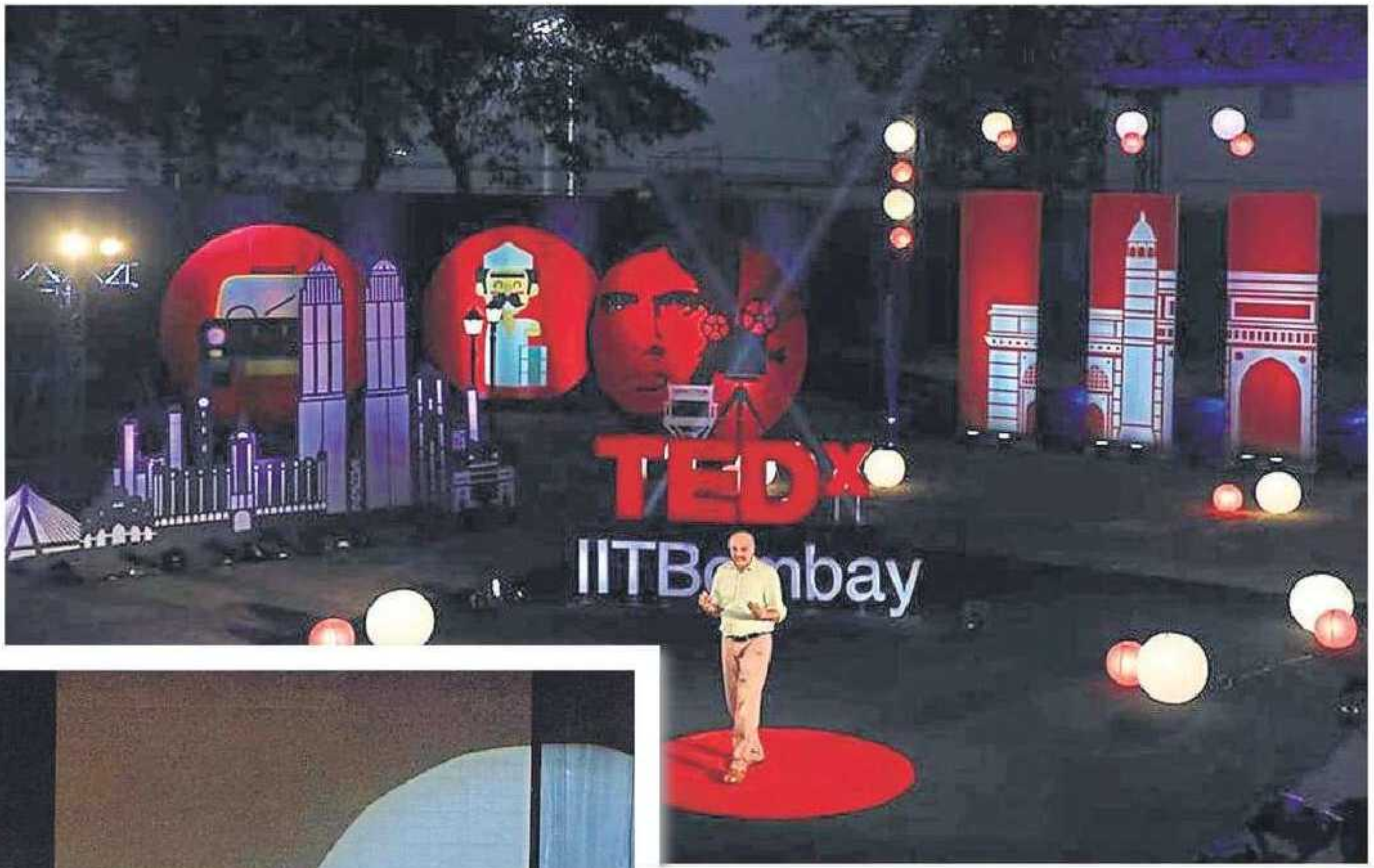

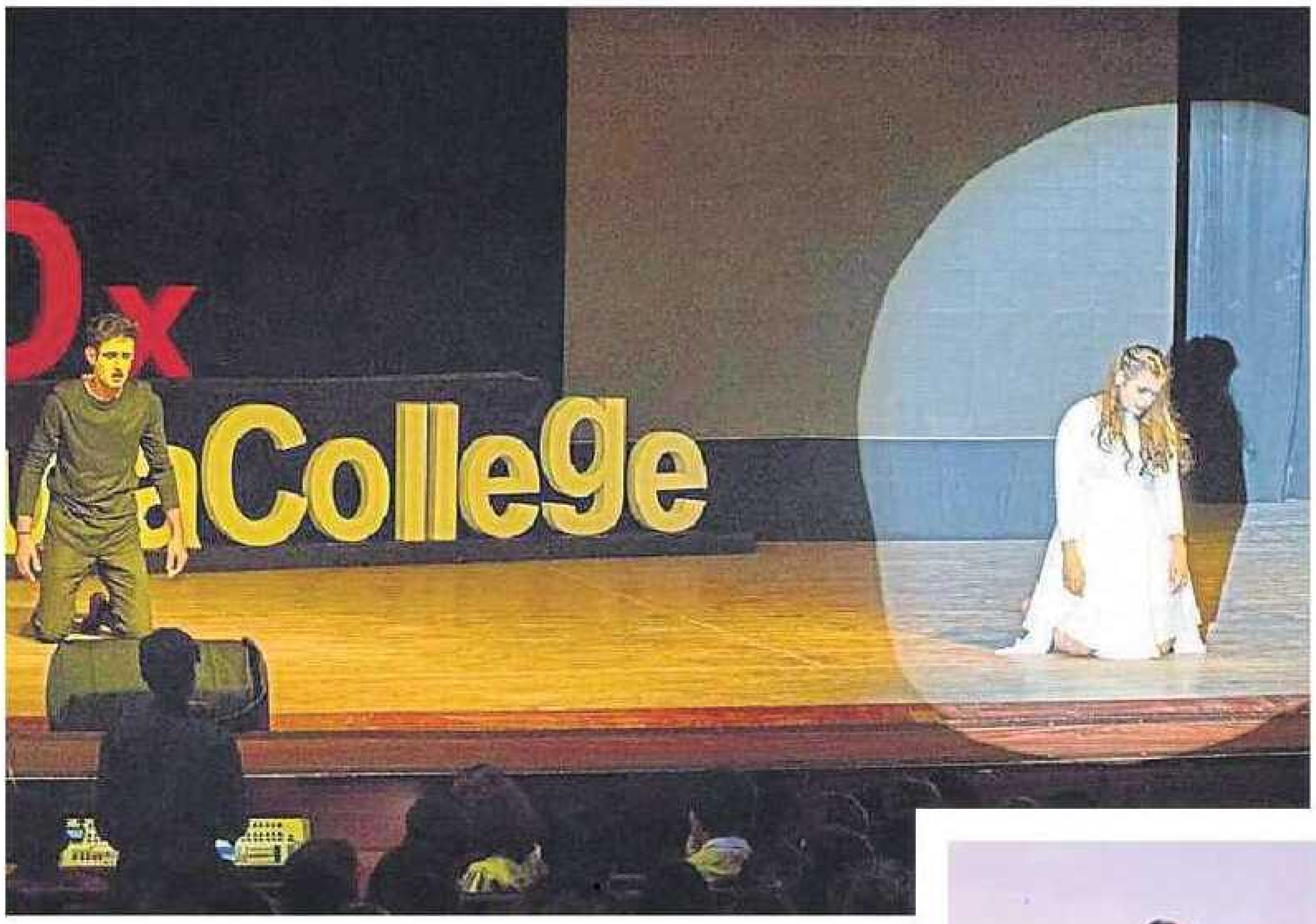

Puneeta Mahadevia
htspecialprojects@hindustantimes.com

TED talks (the TED stands for Technology, Entertainment and Design) are known to offer enlightening thoughts and ideas from across fields — researcher and storyteller Brené Brown shot to fame after her TED talk on vulnerability; Monica Lewinsky did one on shame (and bullying). There've been others on failure, entrepreneurship, magic.

All TED talks can be viewed online for free, but in an effort to make direct access and networking a possibility locally, TEDx talks have been held in cities around the world since 2009.

Now, in a step further, independently organised TEDx university events are bringing the ideas meet to colleges. And Indian institutes are lining up.

Rules remain stringent to keep standards high. "I had to complete an application through the TED website and answer short essay questions to apply. A Skype interview followed. Once they deem your college capable of hosting a TEDx event, they issue a licence for an event," says Shreemoyee Mukhopadhyay, an MCom student at HR college and organiser of TEDxHRCollege 2017. "The licensee after me only had to write an essay and answer a few follow-up questions, to get registered for another event."

The process can differ depending on how long a college has been hosting TEDx events, and it can take up to two months. Eventually, it can either be held on the college campus or in another predetermined venue approved by TED. The duration of the main event can't exceed a day and the number of attendees can't exceed 100. Other guidelines include rules for promotion, speakers, sponsors, volunteers, post-event formalities and video production.

Any current student or staff member can apply for a university licence from TED. The licence is free, valid for a year and can be used for one TEDx event.

SPARKING IDEAS

"TED guidelines say that the theme of the event needs to be broad enough to cover many different topics. Our theme this year was 'Catalyst' and how one epiphany can drive people to pursue something," says Zainab Kader, a third-year BMM student on the curation team for TEDxHindujaCollege 2019 (held on January 30).

She has recently applied to be the licensee for the next Hinduja College TEDx event.

"The IIT-Bombay (IITB) community has more than 10,000 people, including faculty, students and staff. Our event had to be invite-only to adhere to the guidelines while keeping the audience composition as diverse as possible," says Rusheeda Rajamohanan, industry liaison executive at the office of the dean (research and development), IITB, and organiser of TEDxIITBombay 2019 (held on January 19).

In each college, speakers are chosen by an in-house curation panel — in some colleges, people can also nominate themselves or others through email or social media. The curation team then helps speakers refine their talks to ensure they adhere to TED standards and fit the theme well.

"One of our speakers this year was Sushil Chaudhary, who saw that remote villages often lacked entertainment and started a travelling cinema that he takes to villages," says Kader. Other speakers included Rizwan Shaikh, an ethical hacker; and Dr Hozefa Bhinderwala, a psychiatrist who spoke about the need to destigmatise mental illnesses using popular songs.

Meanwhile, the TEDx theme at Delhi's Shivaji College for the event held on November 5 was 'Resonate'. Speakers included Naghma Sahar of NDTV, who spoke on integrity; and Sonia Jain, a competitive motorcyclist, who shared her experiences as a woman biker.

TEDx university events are usually organised by multiple teams of students or staff, because there's a lot to be done — curation, design, sponsorship, production, public relations, logistics, hospitality, marketing. This offers more opportunities for learning.

"Having a TEDx event can be great for your college's reputation. It also helps the students organising it get hands-on experience and enables growth by improving their management skills and confidence," says Kunjana Gupta, a BCom student from Shivaji College who was a licensee and organiser of the 2019 event.

"It's a very enriching experience for attendees as well because there is a lot of intellectual elevation in the same place," Mukhopadhyay adds.

(Clockwise from top) IIT professor Milind Sohoni inspired the audience with his talk on vernacular science at IIT-Bombay; student organisers of HR College form the 'x' from TEDx before the event begins; Vartika Nanda discusses her project that aims at changing prisoners' lives, at Shivaji College in Delhi; Hinduja College students kickstart their TEDx event with a short play based on the theme 'Catalyst'.

Shivaji College News

शिवाजी कॉलेज ने धूमधाम से मनाया 58वां वार्षिकोत्सव

शिवाजी कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव के मंच पर मौजूद अतिथियों के साथ छात्रों की टीम • जागरण

जासं, पश्चिमी दिल्ली : राजा गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज ने बृहस्पतिवार को अपना 58वां वार्षिकोत्सव मनाया। इस अवसर पर मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव आर. सुब्रह्मण्यम और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त डॉ. ईश सिंघल बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इसके अलावा कॉलेज के पूर्व छात्र और दिल्ली राज्य विधि सेवा आयोग में बतौर सचिव कार्यरत विनोद कुमार मीणा, कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शशि निझावन, उप-प्राचार्य डॉ. अनीता कपूर और कार्यक्रम की संयोजक प्रीति शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई और इसके बाद डॉ. शशि ने कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कॉलेज के सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार हिंदी विभाग के छात्र पृथ्वी कुमार, गणित विभाग की छात्रा पारुल व बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्र आयुष गांगुली को दिया गया। इसके अलावा अकादमिक, खेल, एनसीसी, एनएसएस क्षेत्रों में अग्रणी रहे विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

इस दौरान आर. सुब्रह्मण्यम ने भारत में उच्च शिक्षा व्यवस्था तथा उसकी स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार संतोषजनक रूप से हो रहा है। हालांकि विभिन्न विकसित देशों के साथ तुलना करें तो अभी बहुत करना बाकी है, पर साकारात्मक रूप से प्रतिबद्धता के साथ काम करते हुए बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। वहीं ईश सिंघल ने विद्यार्थियों को अकादमिक उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया।

पूर्वोत्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : इंस्टीट्यूट ऑफ बायो रिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इंफाल (मणिपुर) के सहयोग से बृहस्पतिवार को राजा गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज की उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की ओर से पूर्वोत्तर में पर्यावरणीय पर्यटन के माध्यम से एंटरप्रेन्योरशिप का विकास विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-समिट का आयोजन किया गया। इस दौरान विदेश राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह व केंद्रीय सतर्कता आयुक्त डॉ. टीएम भसीन मुख्य अतिथि रहे।

शिवाजी कॉलेज में आयोजित सम्मेलन में विचार रखते विदेश राज्य मंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह

वीके सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां विभिन्न प्रकार की जनजातियां हैं, जिनका अपना रहन-सहन, कला, खानपान व संस्कृति है, जो इसे दुनियाभर के पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता हैं। देश को युवा एंटरप्रेन्योर की जरूरत है, वे पूर्वोत्तर की खूबसूरती को ढूंढें और उसे पहचानें ताकि वहां पर्यटन के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सके। पर्यटन को बढ़ावा देने का मतलब यह कतई ही नहीं है कि वहां के स्थानीय लोगों व पर्यावरण को किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़े। इसके लिए वहां के लोगों व परिस्थिति से तालमेल बिठाना बहुत जरूरी है। आज देश में बेरोजगारी बड़ी समस्या है और एंटरप्रेन्योर ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है। एंटरप्रेन्योर का देश की अर्थव्यवस्था व उसकी जीडीपी को बढ़ाने में काफी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

जैव संसाधन और स्थायी विकास संस्थान से प्रो. डीबी साहू, गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन पीपी श्रीवास्तव, स्कूल ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के निदेशक प्रो. जॉन कैरोल, इंटरनेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, मॉरीशस से आए प्रो. रॉबिन नंकू व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सिक्किम से प्रो. वीके शर्मा ने भी विचार व अनुभव छात्रों के समक्ष रखे। वहीं कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शशि निझावन ने बताया कि पर्यावरणीय पर्यटन वर्तमान पर्यटन व्यवसाय मॉडल के लिए जिम्मेदार विकल्प है। उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. सुमन खरबंदा ने बताया कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री के न्यू इंडिया के निर्माण के सपने के अनुरूप है। एंटरप्रेन्योर का उद्देश्य नए-नए विचारों को एक मंच देना है। जरूरी नहीं है कि हर एंटरप्रेन्योर जीवन में सफल हो, लेकिन उसका प्रयास उसे जीवन में कई मुश्किल चुनौतियों से लड़ने के लिए प्रेरित करता है।

9811588132 (रविवार अवकाश)

पर्यावरणीय पर्यटन की ओर लोगों का बढ़ा रुझान

शिवाजी कॉलेज में हुई प्रतियोगिता में विजयी छात्र को सम्मानित करते कॉलेज के अध्यापक व मौजूद अन्य • जागरण

जासं, पश्चिमी दिल्ली : इंस्टीट्यूट ऑफ बायो रिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इंफाल (मणिपुर) के सहयोग से राजा गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज की उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ द्वारा पूर्वोत्तर में पर्यावरणीय पर्यटन के माध्यम से एंटरप्रेन्योरशिप का विकास विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय ई-समिट के दूसरे दिन इंटरनेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, मॉरीशस से आए प्रो. रॉबिन नंकू ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं, उस पर अपने विचार प्रकट किए।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यावरणीय पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। रोजमर्रा की जीवनशैली के कारण लोग पर्यावरण से काफी दूर हो गए हैं, ऐसे में छुट्टी के दिनों में लोग पर्यावरण को महसूस करने के लिए ऐसी जगहों की तलाश करते हैं। हालांकि पर्यावरणीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ इसकी कई चुनौतियां भी हैं, जिससे उबरने के लिए युवाओं को नए-नए विचारों को तलाशने की जरूरत है।

इस अवसर पर देश के अलग-अलग कोनों से आए युवा एंटरप्रेन्योर प्रो. केवी भानूमूर्ति, मासूमा रजवी, दिवाकर बसनेत, राकेश शर्मा, डॉ. श्रीनिवास व रविंद्र ने अपने जीवन की चुनौतियों से छात्रों को अवगत कर उन्हें प्रेरित किया। इसके बाद छात्रों ने भी मंच पर एंटरप्रेन्योर से जुड़े अपने विचारों को व्यक्त किया। जिस पर मनीष जिंदल व सुप्रिय कामना ने निर्णय दिया और जिन छात्रों के विचार सबसे बेहतरीन थे उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद कॉलेज के पूर्वोत्तर छात्रों ने परंपरागत परिधान पहनकर गीत प्रस्तुत किया। साथ ही पूर्वोत्तर से आए विशेष कलाकारों ने भी अपने लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

B.I.S. HALLMARK GOLD JEWELLERY
FLAT 4.5%
100% BUY-BACK GURANTEE
MAKING ON ALL ITEMS
DHIRSONS JEWELLERS
ONLY AT: Bank Street KAROL BAGH
NEW DELHI
Ph: 41082333/444

Raymond
Wedding Collection
SALE

डा. नेहा बंसल ने छात्रों को प्रोत्साहित का आभार व्यक्त किया।

शिवाजी में इंटर्नशिप को कंपनियों ने छात्रों का लिया साक्षात्कार

जासं, पश्चिमी दिल्ली : शिवाजी कॉलेज के प्लेसमेंट सेल ने इंटर्नशिप फेयर द इंटर्नशिप एक्सप्रेस का दूसरा संस्करण आयोजित किया। इसमें 30 से ज्यादा कंपनियां कॉलेज परिसर में एकत्र हुए छात्रों का साक्षात्कार लिया। इसमें अमेजॉन, ओला, अमेरिकन एक्सप्रेस, लाइव डिजिटल, बजाज एलियांस, बजाज कैपिटल, इंडिया बुल्स, जस्ट डायल, डीसीबी बैंक, टेक महिंद्रा, पॉलिसी बाजार, एलसीबीएस सहित कई अन्य कंपनियां शामिल थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद साक्षात्कार के सत्र शुरू हुए। कुछ कंपनियों ने ऑनलाइन साक्षात्कार भी लिया, जबकि कुछ ने छात्रों का कॉलेज के प्रांगण में ही साक्षात्कार लिया। कंपनियों ने बिजनेस डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, मार्केटिंग एनालिस्ट, फाइनेंस, प्रोजेक्ट इंटर्न, इवेंट पार्टनरशिप से लेकर टेक्निकल, कंटेंट राइटिंग, डेटा एनालिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में छात्रों की रुचि के हिसाब से साक्षात्कार लिया। इतने बेहतर अवसर देखकर छात्र काफी उत्साहित थे। कुछ कंपनियां छात्रों की गुणवत्ता से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने उन्हें इंटर्नशिप के स्थान पर नौकरी की पेशकश की। एक दिवसीय आयोजन में 800 छात्रों ने भाग लिया। प्लेसमेंट सेल की प्रभारी डॉ. सुमन खरबंदा व सेल के अन्य सदस्यों और कॉलेज के छात्रों के संयुक्त प्रयासों से एक सफल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम

महिला विकास प्रकोष्ठ विभाग के तत्वावधान में जेंडर की समानता में संघर्ष विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

महिला व पुरुष को बराबरी का हक देना ही सरकार का लक्ष्य

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : राजौरी गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज में महिला विकास प्रकोष्ठ विभाग के तत्वावधान में जेंडर की समानता में संघर्ष विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से छात्रों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि जेंडर की समानता बचपन से ही व्यवहार में आनी चाहिए। इसमें मां, समाज और विद्यालय एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। समाज में महिला और पुरुष को बराबरी का हक देना ही सरकार का लक्ष्य है। सेमिनार के शुभारंभ पर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. शशि निझावन ने कहा कि समाज का संपूर्ण व सतत विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक हम बेटा-बेटी में भेदभाव को समाप्त नहीं कर देते। समाज का संतुलित विकास हो इसके लिए स्त्री व पुरुष में परस्पर सहयोग एवं समानता का भाव होना जरूरी है। वहीं चिली विश्वविद्यालय के जेंडर एवं विविधता विभाग की निदेशक एवं गणितज्ञ प्रो. सलोम मार्टिनेज सालाजार ने कहा कि लैंगिक भेदभाव किसी एक देश का मुद्दा नहीं है बल्कि यह एक वैश्विक मुद्दा है। भारत में जेंडर एक अकादमिक विषय है, जबकि चिली में इसे एक महिला संबंधित मुद्दा ही माना जाता है। जिसमें पुरुषों की भागीदारी न के बराबर होती है।

सेमिनार के पहले सत्र में महिला और स्वास्थ्य विषय पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से प्रो. रमा बारू, नीदरलैंड में स्वास्थ्य परामर्श सेवा में सलाहकार डॉ. नूपुर कोहली व महिला सर्वांगीण उत्कर्ष मंडल, पुणे के सह-संयोजक डॉ. रमेश अवस्थी ने विचार रखे। डॉ. रमेश ने बताया कि खराब वातावरण, असुरक्षित गर्भपात, कुपोषण, बेरोजगारी, यौन प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, जागरूकता की कमी, गरीबी व खराब निजी चिकित्सा व्यवस्था महिलाओं के खराब स्वास्थ्य के लिए जिम्मेदार है। सरकारी अस्पतालों में न ही चिकित्सा व्यवस्था है और न ही दवाएं उपलब्ध है। निजी अस्पतालों में चिकित्सक निजी फायदे के लिए मरीजों को गुमराह करते हैं। सरकार का निजी अस्पतालों व चिकित्सकों पर कोई रोकथाम नहीं है।

शिवाजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार के दौरान छात्रों को संबोधित करती डॉ. नूपुर कोहली ● जागरण

हर वर्ष 1600 महिलाएं शिशु जन्म के समय तोड़ देतीं हैं दम

डॉ. नूपुर कोहली ने आंकडों के माध्यम से बताया कि हर वर्ष भारत में करीब 1600 महिलाएं शिशु के जन्म के दौरान दम तोड़ देती है। वहीं 100 मिलियन लडकियों की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है। इसके अलावा 15 से 71 फीसद महिलाएं यौन प्रताड़ना का शिकार हो रही है। समाज व पारिवारिक परिवेश कहीं न कहीं महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। प्रो. रामा बारू ने बताया कि महिलाएं आज सामाजिक परिवेश में खुद को इतना ढाल चुकी हैं कि वे अपने स्वास्थ्य से पूर्व परिवार के स्वास्थ्य पर अधिक गौर करती हैं। नतीजा यह है कि वह भरपेट खाना भी नहीं खा पाती हैं। इस कारण आज महिलाओं में हीमोग्लोबिन कम पाया जाता है। आज हमे परेशानियों के हल निकालने से पहले वह क्यों पैदा हुई, उस दिशा में गौर करने की अधिक जरूरत है।

महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार उठा रही कदम

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के अंतिम दिन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव राकेश श्रीवास्तव और अन्य अतिथियों ने रखे विचार

इनको मिला जीजाबाई अवार्ड

डॉ. मनीषा गुप्ते व डॉ. रमेश अवस्थी

'स्वास्थ्य सुविधाओं का हो रहा विस्तार'

आज से छह दिनों तक नहीं होगी पेयजल आपूर्ति

तैयारी

9560798044

du_beat 3 m
SHIVAJI COLLEGE
"Give importance to women's subjectivities," says Prof. Baru on state interference in women's health in an event organised by WDC, Shivaj
Add This to your Story
Send message

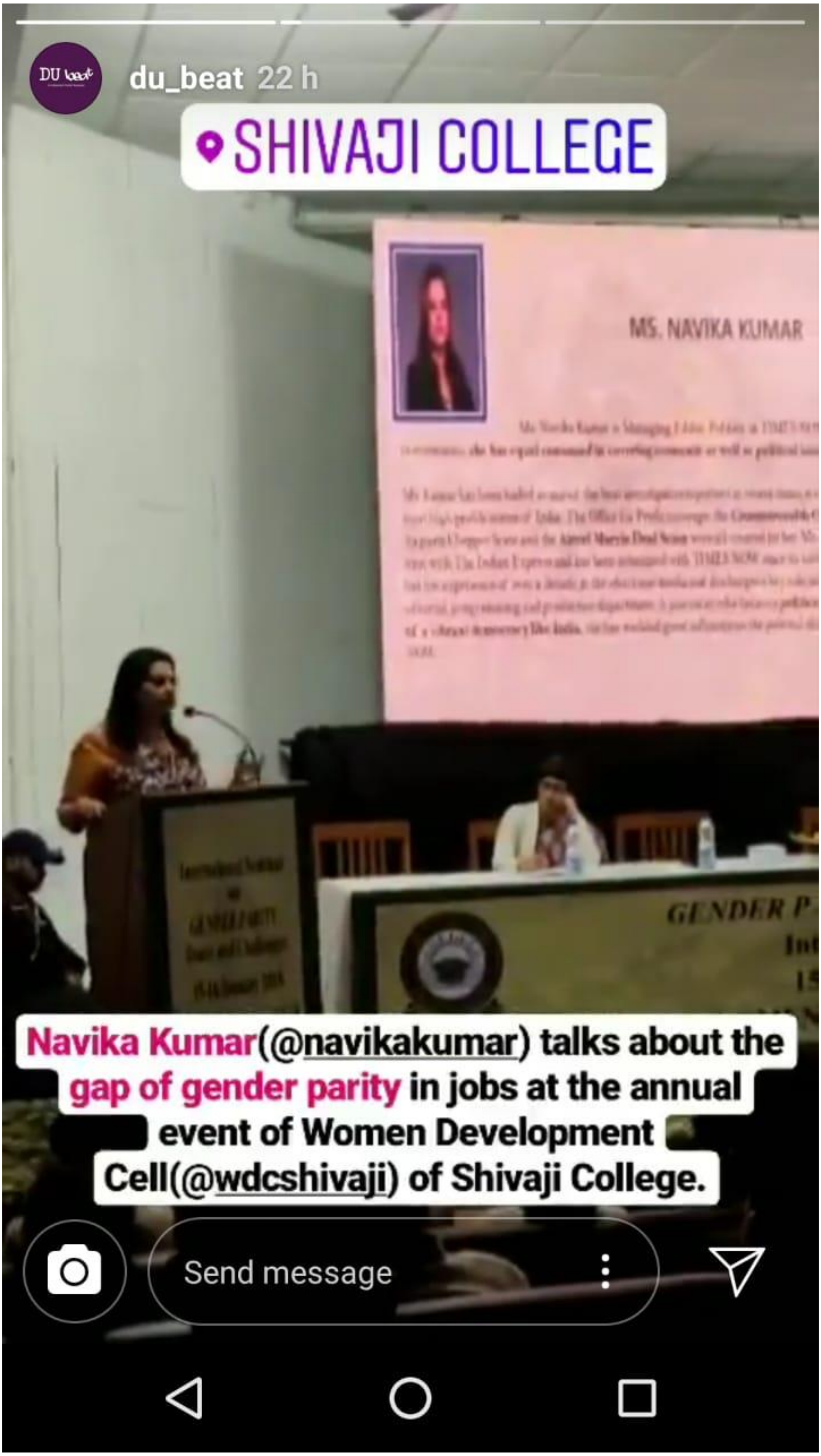
du_beat 22 h
SHIVAJI COLLEGE
MS. NAVIKA KUMAR
Navika Kumar(@navikakumar) talks about the gap of gender parity in jobs at the annual event of Women Development Cell(@wdcshivaji) of Shivaji College.
Send message

शिवाजी कॉलेज बना 'उड़ान' का विजेता

प्रस, नई दिल्ली : डीयू का शिवाजी कॉलेज नुक्कड़ नाटक कॉम्पिटिशन 'उड़ान' का विनर रहा। आर्टिस्ट को 51 हजार रुपये का इनाम मिला। दूसरे नंबर पर हंसराज कॉलेज और तीसरे नंबर पर विवेकानंद कॉलेज रहे, इन्हें 31 हजार और 21 हजार के पुरुस्कार मिले। गुरुवार को आखिरी दिन बॉलिवुड एक्टर अनुपम खेर स्टूडेंट्स के बीच पहुंचे।

नुक्कड़ नाटक कॉम्पिटिशन में हंसराज दूसरे नंबर पर

उन्होंने कहा, उड़ान नुक्कड़ नाटक उत्सव सिर्फ डीयू नहीं बल्कि दुनिया के लिए बड़ी उपलब्धि है। चंद्र प्रकाश द्विवेदी, मनोज तिवारी, अद्वैत काला, पल्लवी जोशी, विवेक अग्निहोत्री भी मौजूद थे, जिन्होंने स्टूडेंट्स के बीच अपने एक्सपीरियंस भी शेयर किए। मनोज तिवारी और मालिनी अवस्थी ने अपने गीतों से स्टूडेंट्स में जोश भरा। तीन दिन के इस फेस्टिवल में नाटकों के जरिए यूथ में राष्ट्रवाद जगाने की कोशिश की गई, फेस्ट में 45 कॉलेजों ने हिस्सा लिया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई–बोली सं.: 1000018360

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष की ओर से, 3 (तीन) महीने की समाप्ति अवधि सहित रु.24,28,522/- की अनुमानित लागत पर केवई हवाईअड्डे पर बिजली सप्लाई एवं अतिरिक्त डी जी सेटों के लिए एस/आर–उप शीर्ष: बिजली सप्लाई सिस्टम के लिए स्पेयर्स की सप्लाई। के कार्य के लिए ई निविदाएँ आमंत्रित हैं। ई–निविदा दस्तावेजों की बिक्री की अंतिम तिथि व समय 8.10.2016 को 17.30 बजे तक है। योग्यता मानदंड, निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने, शुद्धिपत्र और ई–निविदाएँ ऑन–लाइन जमा करने के लिए कृपया भा.वि.प्रा. पोर्टल https://etender.aai.aero/irj/portal या www.aai.aero पर पधारें। इस संबंध में यदि आगे कोई

उप क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Sub-Regional Office, Employees' State Insurance Corporation
डी-149, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, चरण-1, नई दिल्ली-110020
दूरभाष: 011-26811288, 011-26371775

खुली पुनः निविदा सूचना का ई–प्रोक्यूरमेंट टैक्सी हायरिंग के लिए टेंडर अधिसूचना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला किराये पर टैक्सी लेने के लिए द्वि बोली पद्धति प्रतिस्पर्धा के तहत ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://esictenders.eproc.in के माध्यम से पुन–टेंडर आमंत्रित करता है। सभी ब्यौरों की जानकारी और प्रक्रिया के लिए वेबसाइट www.esic.nic.in या https://esictenders.

Prize Distribution Ceremony
22nd September, 2016
Hansraj College, Delhi University

'सफलता के लिए साधन नहीं साधना जरूरी'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय में देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, नारी सशक्तीकरण, भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और विकास आधारित नाटकों के उड़ान उत्सव 2016 का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस उत्सव में 40 से ज्यादा कॉलेज व शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया और इसके बाद तीन सर्वश्रेष्ठ नाटकों को डीयू के हंसराज कॉलेज सभागार में आयोजित समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

- उड़ान उत्सव 2016 का समापन शिवाजी कॉलेज को पहला पुरस्कार
- अनुपम खेर, मनोज तिवारी, मालिनी अवस्थी रहीं मौजूद

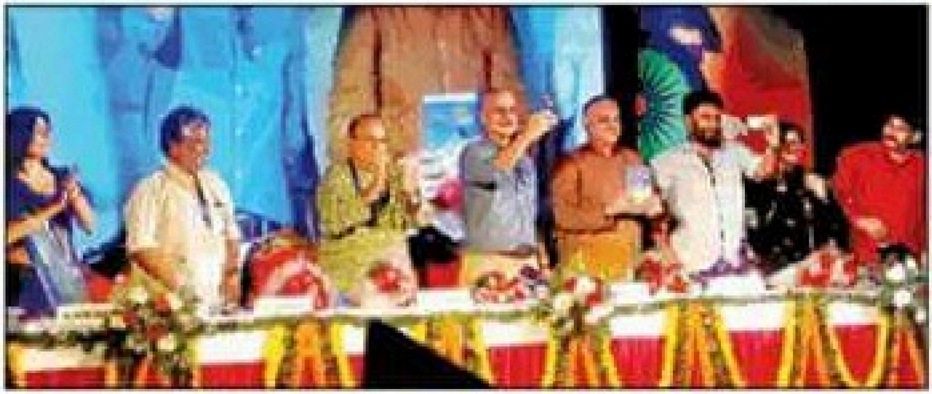

हंसराज कॉलेज मे उड़ान उत्सव के समापन समारोह मे सांसद मनोज तिवारी ,अभिनेता अनुपम खेर, अभिनेता मनोज जोशी, लोक गायिका मालिनी अवस्थी व पल्लवी जोशी ।

इस मौके पर निर्णायक मंडल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि सफलता के लिए साधनों की नहीं साधना की जरूरत होती है। उन्होंने अपने चाणक्य धारावाहिक के विषय में बताया और उसको अपने जीवन में उतारने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने इस प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि वो इसके लिए भारत सरकार से बात करेंगे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे अभिनेता अनुपम खेर ने सर्वश्रेष्ठ नाटक की श्रेणी में पहला पुरस्कार शिवाजी कॉलेज को (51,000 रुपये), दूसरा पुरस्कार हंसराज कॉलेज (31,000 रुपये) और तीसरा पुरस्कार विवेकानंद कॉलेज को (21,000 रुपये) दिया। इसके अलावा भी अन्य कई श्रेणियों में जैसे कि संगीत, पटकथा लेखन, निर्देशन व सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-अभिनेत्री का पुरस्कार भी वितरित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अनुपम खेर ने अपने संबोधन में डीयू के युवाओं से अपने अभिनय से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके जीवन का सबसे पहला नाटक पृथ्वीराज था। नाटक आपको अभिनेता बनाते हैं और यह सीखने की एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से आप समाज को भी बदलते हैं। इस आयोजन में भोजपुरी गायक व सांसद मनोज तिवारी और लोकगीत गायिका मालिनी अवस्थी ने भी अपने ही अंदाज में सभागार में मौजूद छात्र शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि नाट्य कला समाज और देश को जागृत करने का काम पुरातनकाल से करती आ रही है और आगे भी इसका महत्व कम होने वाला नहीं है। समापन समारोह में पटकथा लेखिका अद्वैता काला, पल्लवी जोशी, सुदिप्तो सेन, विवेक अग्निहोत्री ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम के मीडिया कोर्डिनेटर सौरभ शर्मा ने कहा कि उड़ान उत्सव की यह पहली सफल उड़ान थी और इसके संयोजन में अनुपम भटनागर, वीरेंद्र सिंह नेगी और वीरेंद्र भारद्वाज का योगदान अहम रहा।

शिवाजी कॉलेज को मिला प्रथम पुरस्कार

डीयू में चल रहे उड़ान उत्सव का समापन

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय में जारी नाटकों के मिनी कुंभ (उड़ान उत्सव) का समापन बृहस्पतिवार को हो गया। अंतिम दिन तीन दिनों में नाटकों की प्रस्तुति के आधार पर कॉलेजों को पुरस्कृत किया गया।

पहला पुरस्कार शिवाजी कॉलेज, दूसरा पुरस्कार हंसराज कॉलेज व तीसरा पुरस्कार विवेकानंद कॉलेज को मिला। हंसराज कॉलेज में आयोजित समापन समारोह में फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने अनुभवों को साझा किया। खेर ने उड़ान महोत्सव को थियेटर की दुनिया के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने युवाओं को बताया कि आपकी जिंदगी से ही आपको सबसे अधिक अनुभव मिलता है जो आपकी एक्टिंग का खजाना है। सांसद मनोज तिवारी ने जिया हो

समापन समारोह में पहुंचे अभिनेता अनुपम खेर और मनोज तिवारी

बिहार के लाला, ये भारत देश है मेरा गीतों से समां बांध दिया। उन्होंने कहा कि अद्वैता काला जी और चाणक्य धारावाहिक फेम चंद्रप्रकाश द्विवेदी जी के साथ प्रतिभागियों से मिलकर एक फिल्म बनाएंगे।

गायिका मालिनी अवस्थी ने लोकगीत गुनगुना के बेस्ट म्यूजिक का अवार्ड दिया। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में प्रतिभागियों को मौका देने का वादा किया। प्रथम विजेता शिवाजी कॉलेज को 51 हजार रुपये, हंसराज कॉलेज को 31 हजार व विवेकानंद कॉलेज को 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया।

er.livehindustan.com:81/mpap

शिवाजी कॉलेज ने 'उड़ान' का पहला पुरस्कार जीता

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

डीयू में नुक्कड़ नाटक का तीन दिवसीय उत्सव 'उड़ान' गुरुवार को समाप्त हो गया। इस उत्सव में शिवाजी कॉलेज की नुक्कड़ नाटक मंडली को पहला स्थान मिला, जिसे पुरस्कार स्वरूप 51,000 रुपये मिले। बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

'उड़ान' के मीडिया संयोजक सौरभ शर्मा ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह हंसराज कॉलेज में आयोजित किया गया। सौरभ ने बताया कि दूसरे स्थान पर हंसराज कॉलेज रहा, जिसे 31,000 रुपये और तीसरे स्थान पर विवेकानंद कॉलेज रहा, जिसे 21,000 हजार रुपये इनाम स्वरूप दिए गए।

चौथे स्थान पर केशव महाविद्यालय रहा। पांचवें स्थान पर संयुक्त रूप से शहीद भगत सिंह, किरोड़ीमल, और हिंदू कॉलेज रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अनुपम खेर, चंद्र प्रकाश द्विवेदी, मनोज तिवारी, अद्वैता काला, सुदीप्तो सेन, पल्लवी जोशी, विवेक अग्निहोत्री, मालिनी अवस्थी, मनोज जोशी आदि उपस्थित रहे।

Look beyond campus

> "I preferred Shivaji over others because the faculty here is superb and the labs are well equipped. The metro has made it easier to travel and our theatre society Vayam is really good
>
> **ISBAH LONE,**
> **A STUDENT OF BIOCHEMISTRY AT SHIVAJI COLLEGE**

D[illegible] versities in the country for the past few years now. With the university web ranking giving it the 5th spot in India and Ministry of Human Resource Development giving it the 6th place in its National Institutional Ranking Framework, DU is the most sought after university for students looking either of the undergraduate or postgraduation programmes.

Where traditionally, North Campus was the most sought after location for studies, but with the high cut-offs, not all could afford them, so settling for an off-campus college was the last resort. With admissions just round the corner, it seems interesting that over the last few years, the demand for off-campus colleges is on a rise and the mindset about these colleges seem to change. Not only parents, but also the aspirants agree that it is the course that matters and not the name.

Convenient locations and specialised courses have resulted in students' preferring more and more south and off campus colleges. The National Academic and Accreditation Council (NAAC) ratings proved that these colleges are emerging as the 'next big thing'.

Better infrastructure, varied courses, sprawling campuses, well-qualified teachers, metro connectivity and extracurricular activities is prompting the students to prefer off-campus over on-campus colleges.

"For me the infrastructure and faculty were more important than famous names," says Isbah Lone, a student of Biochemistry at Shivaji College. "I preferred this over others because the faculty is really amazing and the labs are well equipped. The metro has made it easier to travel and our theatre society Vayam gives us an amazing exposure" she added. Shivaji, a co-ed college situated in Raja Garden, provides a good range of courses across streams. One of them is a self-financed BBE course and PG courses in Hindi, Sankrit and Political Science.

Shama Mitra Chenoy, Professor of History, talks about a unique system of every

अपनी रुचि के मुताबिक ही विषय का चयन करें छात्र : शशि निझावन

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : बारहवीं का परीक्षा परिणाम आ गया है। अब छात्र कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए भागदौड़ करेंगे। छात्रों को चाहिए कि वह अपनी रुचि के हिसाब से फैसला लें और जो विषय उन्हें अच्छा लगता है उसमें दाखिला लें। पश्चिमी दिल्ली में शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के बेहतरीन कॉलेजों में से एक है। यहां पर 26 स्नातक कोर्स की पढ़ाई होती है। समय के साथ ही यहां पर कोर्सों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। यह बात शिवाजी कॉलेज की प्रिंसिपल शशि निझावन ने कही।

उन्होंने कहा कि हमारे कॉलेज में मल्टीमीडिया क्लास रूम हैं। वहीं एसी ऑडिटोरियम व लैब भी हैं। इसके अलावा कॉलेज परिसर साफ-सुथरा व हरा भरा है। इसको लेकर छात्रों को भी जागरूक किया जाता है। यहां पर कॉमर्स व साइंस के अलावा अन्य विषयों की पढ़ाई भी होती है। वहीं कॉलेज में अन्य गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाता है। स्पोर्ट्स की भी यहां पर सुविधा है। वहीं, कॉलेज अपने स्तर पर जीजाबाई अवार्ड भी प्रदान करता है। यह अवार्ड उन लोगों को दिया जाता है जो चमक-दमक से दूर समाज की बेहतरी के लिए कुछ कार्य करते हैं। उन्होंने इस सत्र के बच्चों के लिए कहा कि कुछ लोग किसी के दबाव में आकर फैसला लेते हैं जो आगे चलकर उनपर भारी पड़ता है। फैसला हमेशा स्वयं लेना चाहिए। जो भी आपको बेहतर लगे वहीं फैसला लो तब आप जिंदगी में काफी आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को विषय का चुनाव और उससे संबंधित करियर के बारे में गहनता से विचार करना चाहिए।

ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ ਨੂੰ 'ਏ' ਗਰੇਡ ਸੰਸਥਾ ਦਾ ਮਿਲਿਆ ਦਰਜਾ

ਨਿੱਜੀ ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 10 ਨਵੰਬਰ

ਨੈਸ਼ਨਲ ਅਸੈਸਮੈਂਟ ਐਂਡ ਐਕਰੀਡੀਟੇਸ਼ਨ ਕਾਊਂਸਲ (ਐਨ.ਏ.ਏ.ਸੀ.) ਨੇ ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਨੂੰ 'ਏ' ਗਰੇਡ ਸੰਸਥਾ ਦਾ ਦਰਜਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸ਼ਸ਼ੀ ਨਿਝਾਵਨ ਨੇ ਕਿਹਾ , "ਨੌਵੀਂ ਸਥਾਈ ਕਮੇਟੀ ਨੇ, ਜੋ ਐਨਏਏਸੀ ਦੀ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਕਮੇਟੀ ਵਲੋਂ ਪੈਨ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਮੁਲਾਂਕਣ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਲਈ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਨੇ ਆਪਣੀ ਵੈੱਬਸਾਈਟ 'ਤੇ ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ ਨੂੰ 'ਏ'–ਗਰੇਡ ਰੇਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਐਨਏਏਸੀ 'ਏ' ਗਰੇਡ ਟਾਪ ਰੇਟਿੰਗ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਗਰੇਡ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨਾ ਚੁਣੌਤੀ ਭਰਿਆ ਕੰਮ ਹੈ। ਮੁਲਾਂਕਣ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਸੈਸ਼ਨ 'ਚ ਪੂਰੇ ਭਾਰਤ ਦੇ 64 ਕਾਲਜ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸਿਰਫ਼ ਨੌਂ ਨੂੰ 'ਏ' ਗਰੇਡ ਮਿਲਿਆ।

ਦੇਸ਼ ਦੇ ਚਾਰ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦਿੱਲੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਤੋਂ 'ਏ' ਗਰੇਡ ਸਿਰਫ਼ ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ। 1961 ਵਿੱਚ ਸਥਾਪਤ ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ, ਦਿੱਲੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹੈ, ਜਿੱਥੇ ਸਾਇੰਸ, ਕਾਮਰਸ ਅਤੇ ਆਰਟਸ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਸਮੇਤ 26 ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਪੜ੍ਹਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਮੌਜੂਦਾ ਸਮੇਂ 'ਚ ਕਾਲਜ ਵਿਚ 190 ਮੈਂਬਰ ਅਤੇ 3800 ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਹਨ। ਡਾ. ਨਿਝਾਵਨ ਨੇ ਅੱਗੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ, "ਏ ਗਰੇਡ ਦਰਜਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਵਿਭਿੰਨ ਸਰੋਤਾਂ ਤੋਂ ਮਾਲੀ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਕਾਲਜ ਨਵੇਂ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਅਰੰਭ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਮਰਥ ਹੋਵੇਗਾ, ਜਿੱਥੇ ਅਜਿਹੀ ਮਾਨਤਾ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਇਕ ਸ਼ਰਤ ਹੈ।" ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਅਤੇ ਸਟਾਫ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਤੇ ਕਿਹਾ , "ਇਹ ਕਾਲਜ ਲਈ ਇਕ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਦਿਨ ਹੈ। ਅੱਗੇ ਚਲ ਕੇ ਇਹ ਦਰਜਾ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਲਾਭਕਾਰੀ ਹੋਵੇਗਾ।"

ਸ਼ਿਵਾਜੀ ਕਾਲਜ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਦਾ ਬਾਹਰੀ ਦ੍ਰਿਸ਼।

ਪੰਜਾਬੀ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ
Wed, 11 November 2015
epaper.punjabitribuneonline.com/c/7196328

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर 2015 दैनिक जागरण | III

कौशल विकास प्रशिक्षण से मिलेगा लाभ : शशि निझावन

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका लाभ छात्रों को मिलेगा। शिवाजी कॉलेज में यह पहली बार हो रहा है और काफी बच्चे जुड़े भी हैं। आगे और भी बच्चों को जोड़ने की योजना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्रों को नौकरी के लिए कहीं भटकने की जरूरत नहीं होगी। यह बातें शिवाजी कॉलेज की प्रिंसिपल शशि निझावन ने कहीं।

शशि ने कहा कि यह कार्यक्रम नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन के साथ मिलकर कराया जा रहा है। अभी कॉलेज में ऑटोमोटिव, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट व फाइनेंशियल के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, जिसमें लगभग डेढ़ सौ बच्चों ने भाग लिया है। यह पहली बार था इस कारण बच्चों की संख्या कम है। अगली बार हम ज्यादा से ज्यादा बच्चों को जागरूक करेंगे और उन्हें इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि इसकी कक्षा शनिवार व रविवार को होती है। इसमें ज्यादातर छात्र प्रथम व द्वितीय वर्ष के हैं। तृतीय वर्ष के छात्र कोचिंग करते हैं इस कारण वह शनिवार व रविवार को यहां के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। अगली बार से इन छात्रों को भी जोड़ने की कोशिश की जाएगी। कॉलेज में इसके अलावा भी कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसका लाभ छात्र उठा रहे हैं। वहीं, सामाजिक कार्यों में भी कॉलेज हर समय आगे रहा है। कॉलेज की ओर से जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। वहीं, ऐसे लोगों को सम्मानित भी किया जाता है जो चमक दमक से दूर समाज की भलाई में लगे रहते हैं।

- शिवाजी कॉलेज में पहली बार दिया गया प्रशिक्षण, 150 बच्चों ने लिया भाग

Press Release

Shivaji College scores an 'A'

The National Assessment and Accreditation Council (NAAC) has rated Shivaji College as an 'A' grade institution. Dr. Shashi Nijhawan, Principal Shivaji College, said that ''the executive committee of the 9th Standing Committee of 14th September 2015, instituted by the EC of NAAC, which reviewed the pan-India assessments, has rated Shivaji College with Grade 'A' on its web- site."

NAAC 'A' Grade is the top- most rating and a challenging grade to obtain. In the first cycle of assessment 64 colleges across India were accredited, out of which only nine got an 'A' Grade. Shivaji College was the only college from the University of Delhi that got an 'A' Grade and was amongst the top four colleges' nation- wide.

Shivaji College, established in 1961, is a constituent college of the University of Delhi that offers 26 courses across the streams of Science, Commerce and Humanities. Currently, the college has a faculty of 190 members and over 3800 students.

Dr. Nijhawan added that "the 'A' Grade rating was significant as it would allow access to different sources of funding and enable the introduction of new courses and streams in the college that require such accreditation as a prerequisite."

The Chairman of the Governing Body, Professor Ashok Prasad congratulated the Principal and the staff on the accreditation and said that this was a significant day for the college. Going forward, the rating would be beneficial for the institution and its students.

The Vice- Principal, Dr. Anita Kapur said that "the NAAC team had identified a number of best practices across various departments of the college as well as activities that could be emulated by others. We will strive to maintain this rating and by the time the next assessment cycle comes the college would have added to the infrastructure and taken steps to achieve an even higher CGPA."

The newly elected President of the students' union said the students are excited about the opportunities and avenues this accreditation would result in and act as a significant signaling value to organizations that wish to recruit from the campus. The Parents and the Alumni who interacted with the NAAC team were overjoyed by this result. They also felt that this would greatly benefit their children both in college and when they pass out.

New Delhi

16th September 2015

Media Infoline

VIDEOS

Media Infoline
Like Page 468 likes

Media Infoline
14 hrs

Celebrity Ad to look out for this DIWALI Season
For Details : http://goo.gl/C6Xidk

By Media Infoline Correspondent
17th September, 2015

Shivaji College scores an 'A'

The National Assessment and Accreditation Council (NAAC) has rated Shivaji College as an 'A' grade institution. Dr. Shashi Nijhawan, Principal Shivaji College, "said that the executive committee of the 9th Standing Committee of 14th September 2015, instituted by the EC of NAAC, which reviewed the pan- India assessments, has rated Shivaji College with Grade 'A'on its web- site."

NAAC 'A' Grade is the top- most rating and a challenging grade to obtain. In the first cycle of assessment 64 colleges across India were accredited, out of which only nine got an 'A' Grade. Shivaji College was the only college from the University of Delhi that got an 'A' Grade and was amongst the top four colleges' nation- wide.

Shivaji College, established in 1961, is a constituent college of the University of Delhi that offers 26 courses across the streams of Science, Commerce and Humanities. Currently, the college has afaculty of 190 members and over 3800 students.

Dr. Nijhawan added that "the 'A' Grade rating was significant as it would allow access to different sources of funding and enable the introduction of new courses and streams in the college that requiresuch accreditation as a prerequisite."

The Chairman of the Governing Body, Professor Ashok Prasadcongratulated the Principal and the staff on the accreditation and said that this was a significant day for the college. Going forward, the rating would be beneficial for the institution and its students.

The Vice- Principal, Dr. Anita Kapur said that "the NAAC team had identified a number of best practices across various departments of the college as well as activities that could be emulated by others. We will strive to maintain this rating and by the time the next assessment cycle comes the college would have added to the infrastructure and taken steps to achieve an even higher CGPA."

The newly elected President of the students' union said the students are excited about the opportunities and avenues this accreditation would result in and act as a significant signaling value to organizations that wish to recruit from the campus.The Parents and the Alumni who interacted with the NAAC team were overjoyed by this result. They also felt that this would greatly benefit their children both in college and when they pass out.

नवभारत टाइम्स

शिवाजी कॉलेज को 'ए' ग्रेड

Sep 18, 2015, 08.00 AM IST

Share Like 8+ ट्वीट 0

Top SIP Investment plans
Compare & invest in best Funds. 0 paper work. Start today.
www.myuniverse.co.in/ZipSip

Plots In Delhi
Affordable Plots For Sale HDFC RED. Compare & Select Now
www.hdfcred.com/Delhi

Ads by Google

स, नई दिल्ली : नैशनल एसेस्मेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल (NAAC) ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज को 'ए' ग्रेड दिया है। डीयू का ऐसा पहला कॉलेज है जिसे यह ग्रेड मिला है। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. शशि निझावन के अनुसार देशभर के 64 कॉलेजों की ग्रेडिंग की गई।

MILLENNIUM POST | New Delhi | Thursday, September 17, 2015

SHIVAJI COLLEGE RATED 'A' BY NAAC

NEW DELHI: The National Assessment and Accreditation Council (NAAC) has rated Shivaji College as an 'A' grade institution. Dr Shashi Nijhawan, principal Shivaji College, said: "The executive committee of the 9th Standing Committee of September 14, 2015, instituted by the EC of NAAC, which reviewed the pan-India assessments, has rated Shivaji College with Grade 'A' on its website." NAAC 'A' Grade is the top-most rating and a challenging grade to obtain. In the first cycle of assessment 64 colleges across India were accredited, out of which only nine got an 'A' Grade. Shivaji College was the only college from the University of Delhi that got an 'A' Grade and was amongst the top four colleges nationwide.

दिल्लीजागरण

नैक ने शिवाजी कॉलेज को दिया ए ग्रेड

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : डीयू के नामचीन कॉलेजों में शुमार शिवाजी कॉलेज को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) की ओर से ए ग्रेड मिला है। नैक मान्यता के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले चरण में इस बार देशभर के कुल 64 कॉलेजों का मूल्यांकन किया गया था, जिसमें से नौ संस्थानों को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। दिल्ली में शिवाजी कॉलेज ही एकमात्र ऐसा कॉलेज है, जिसे ये उपलब्धि हासिल हुई है। डीयू के भगिनी निवेदिता व भारती कॉलेज का नाम भी उन 64 कॉलेजों की सूची में शामिल है, जिनका मूल्यांकन किया गया था।

इन दोनों ही कॉलेजों को बी ग्रेड मिला है। शिवाजी कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. अशोक प्रसाद व प्राचार्य डॉ. शशि निझावन ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कॉलेज शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी है। कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष का कहना है कि बिना शिक्षकों व कर्मचारियों के इस उपलब्धि को हासिल करना मुमकिन नहीं था।

SHIVAJI COLLEGE RATED 'A' GRADE BY NAAC

New Delhi: The National Assessment and Accreditation Council (NAAC) has rated Shivaji College as an 'A' Grade institution. NAAC 'A' Grade is the top-most rating. In the first cycle of assessment, 64 colleges across India were accredited, out of which only nine got an 'A' Grade. Shivaji College, which was established in 1961, was the only college from the University of Delhi that got an 'A' Grade and was amongst the top four colleges nationwide. Shashi Nijhawan, Principal, Shivaji College, said, "'A' Grade rating was significant as it would allow access to different sources of funding and enable the introduction of new courses and streams in the college that require such accreditation as a prerequisite."

शिवाजी कालेज को ए ग्रेड

पायनियर समाचार सेवा। नयी दिल्ली

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रमाणन परिषद (एनएएसी) ने शिवाजी कालेज को ए ग्रेड संस्थान का दर्जा दिया है। ए ग्रेड परिषद द्वारा की जाने वाली सर्वोच्च रेटिंग है। मूल्यांकन के पहले चरण में भारत भर के 64 कालेजों का प्रत्यायन किया गया। शिवाजी कालेज ए ग्रेड हासिल करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र कालेज है। इसे देश के चार सर्वश्रेष्ठ कालेजों की सूची में शामिल होने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। शिवाजी कालेज के प्रधानाचार्य शशि निझावन के अनुसार, ए ग्रेड मिलना बड़ी उपलब्धि है। इससे फंडिंग के तमाम रास्ते खुल जाते हैं और कालेज में नये पाठ्यक्रम एवं विधाएं शुरू करने में भी सहूलियत होती है।

THE HINDU

SEARCH

Home News Opinion Business Sport S & T Features Entertainment Books Worl

TODAY'S PAPER » FEATURES » METRO PLUS

February 23, 2015

A song and a few stars

GoDaddy® - Official Site - Rs 99 Limited Time .COM Sale Register Your Domain Now! in.godaddy.com

Ads by Google

PRINT · T T

Like Share 0 Tweet 0 8+1 0 in Share Pin it

Shivaji College successfully held its annual festivallast week

Varun Dhawan at the festival

Keeping in mind that college students are kept busy throughout the year due to academics, institutions organise extra-curricular and cultural events. This enables the faculty, staff and students to let their hair down.

Delhi University's Shivaji College organised its annual cultural festival Vibratinos-2015 last week which witnessed enthusiastic participation by students.

Professor K.S. Rajendran of National School of Drama delivered the inaugural address and described the significance of performance and art and its correlation with various aspects of life.

This was followed by Veda, the Sufi rock band, belting out its numbers.

The star quotient for the festival was provided by the presence of Varun Dhawan, Nawazuddin Siddiqui and Yami Gautam who did not disappoint their fans as their interacted with them freely.

There were several competitions organised during the two-day event.

The winner of the dance competition was GTBIT while the fashion show was won by Maitreyi College.

On the second day various colleges competed in nukkad natak, singing, photography and painting.

The festival concluded with a performance by Neha Kakkar, Bollywood singer.

The principal Dr. Shashi Nijhawan congratulated the students and teachers in their endeavour of making the annual event a grand and memorable success.

Shivaji's Jijabai Women Achievers Award

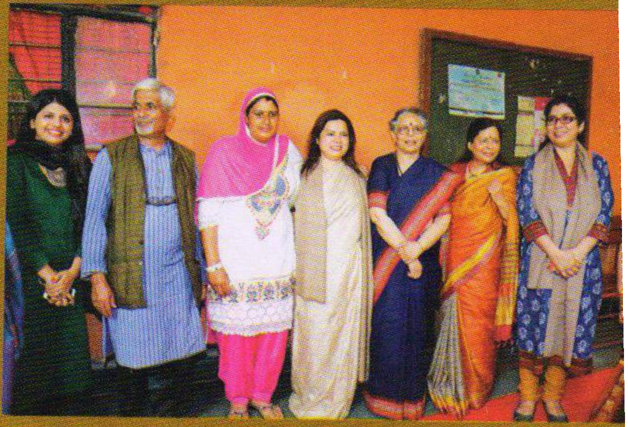

The Women Development Cell of Shivaji College, University of Delhi, recently organised its annual Jijabai Women Achievers Awards on the topic 'Gender: Biological or Sociological?'

The event was inaugurated by Lopamudra Mohanty, Director, Ministry of Women and Child Care Development who released Empowering Women: The Indian Socio-Cultural Scenario. Mohanty also shared her perception and views with the students and teachers and reflected upon the fact that sensitising youth's mind is the need of the hour. Shahsi Nijhawan, Principal, Shivaji College, also addressed the students and shared her thoughts.

नेहा के गानों पर झूमे छात्र

अमर उजाला ब्यूरो

शिवाजी कॉलेज में चल रहे फेस्ट 'वाइब्रेशन' के दूसरे दिन पहुंची मशहूर गायिका नेहा कक्कड़

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में चल रहे वार्षिक फेस्ट 'वाइब्रेशन' के आखिरी दिन बुधवार को बॉलीवुड की मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ के परफॉरमेंस के साथ फेस्ट का समापन हो गया।

फेस्ट की शुरुआत स्वरांजली के साथ हुआ। इसमें कलाकारों ने गीत व संगीत से सबकों झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद उद्घोष नाम के नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों के ही एक समूह ने नाटक की प्रस्तुति दी। इसके बाद पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पोस्टर और पॉट पेंटिंग में हिस्सा लिया।

शाम को नेहा कक्कड़ के गानों पर छात्रों ने खूब मस्ती की। नेहा ने अपने गानों से छात्रों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। फेस्ट के इस आखिरी शाम को छात्रों ने मस्ती व डांस के साथ एंजॉय किया।

@ सोशल मीडिया

छात्र ने बनाया मो

सुरक्षा, प्राइवेसी

फरीदाबाद (ब्यूरो)। कंप्यूटर साइंस के ऐसा एंड्रॉयड

वरुण ने दोगुनी की महोत्सव की मस्ती

शिवाजी कॉलेज में मंगलवार को फेस्ट में पहुंचे अभिनेता वरुण धवन।

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में वार्षिक फेस्ट का दौर शुरू हो चुका है। फेस्ट के चलते कॉलेजों में छात्रों की मस्ती जारी है। मंगलवार को शिवाजी कॉलेज के फेस्ट में छात्रों के साथ ही फिल्म अभिनेता वरुण धवन ने भी मस्ती की। वरुण कॉलेज के वार्षिक फेस्ट 'वाइब्रेंट' में पहुंचे, जहां उन्होंने छात्र-आत्राओं के संग ठुमके भी लगाए। फेस्ट में देर शाम बैंड कंपटीशन का तड़का भी लगा, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने हिस्सा लिया।

मंगलवार से शुरू दो दिवसीय वार्षिक फेस्ट के पहले दिन ही वरुण धवन के पहुंचने से छात्रों की मस्ती दोगुनी हो गई। वरुण ने अपने डांस से छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। फेस्ट की शुरुआत वेदास बैंड की परफॉर्मेंस से हुई। वहीं दूसरी ओर रंगोली, सोलो डांस, नेल आर्ट, फैशन शो व बैटल ऑफ बैंड्स प्रतियोगिताएं हुई। बुधवार को अन्य प्रतियोगिताएं के साथ ही बॉलीवुड के गानों का तड़का भी लगेगा। बुधवार को क्वीन फिल्म के गाने लंदन ठुमकदा की गायिका नेहा कक्कड़ अपनी आवाज से सबको मदहोश करने के लिए पहुंच रही हैं।

वार्षिकोत्सव 'वाइब्रेंट' में कुछ इस अंदाज में नजर आईं छात्राएं।

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2014 दैनिक जागरण | III

महिलाओं के प्रति सम्मान जरूरी : डॉ.शशि निझावन

- शिवाजी कॉलेज में हुआ लिंग समानता पर कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : राजौरी गार्डन के शिवाजी कॉलेज में लिंग समानता विषय को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को यह

समझाना था कि महिलाओं के साथ उनका व्यवहार सम्मानजनक होना चाहिए। उन्हें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचे।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ.शशि निझावन ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की बात करते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस कार्य में पुरुषों की अहम भागीदारी होनी चाहिए। जब तक पुरुष अपने मन में महिलाओं के प्रति बराबरी का भाव नहीं लाएंगे तब तक महिलाओं के लिए सशक्तीकरण की राह कठिन होगी। यह समस्या सोच के स्तर पर है। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की महिला विकास प्रकोष्ठ के बारे में बताया कि इसमें करीब 400 सदस्य हैं। इनमें अधिकांश छात्र हैं। ये छात्र महिला सशक्तीकरण से जुड़े प्रयासों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। कार्यक्रम के दौरान दो लघु फिल्मों का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा संवाद सत्र भी आयोजित हुआ।

सत्र में छात्र-छात्राओं ने आपसी विचारों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर महिला विकास प्रकोष्ठ की संयोजक निष्ठा श्रीवास्तव, वैशाली सिंह सहित कई विद्यार्थी उपस्थित थीं।

राजौरी गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज में लिंग समानता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेतीं छात्राएं। जागरण

छात्रों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

- राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती
- शिवाजी कालेज में हुए नुक्कड़ नाटक और कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : राजा गार्डन के शिवाजी कालेज में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस दौरान शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत एनसीसी और एनएसएस के कैडेटों ने मार्चपास्ट से की। बाद में 'रन फॉर यूनिटी' के तहत स्कूल के अध्यापकों, नान टीचिंग स्टाफ व विद्यार्थियों ने दौड़ लगाई। बाद में सरदार पटेल पर आधारित फीचर फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

इस मौके पर कालेज की प्रिंसिपल डॉ. शशि निझावन ने छात्रों को देश के प्रति सरदार पटेल के समर्पण की भावना व उनके योगदान के बारे में बताया। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता के लिए शपथ भी दिलवाई। बाद में खेल शिक्षक गौरव गोयल के नेतृत्व में 'रन फॉर यूनिटी' के तहत दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें कालेज के अध्यापकों व छात्रों ने कालेज के बाहर

राजा गार्डन स्थित शिवाजी कॉलेज में सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं। जागरण

रिंग रोड पर डेढ़ किलोमीटर तक दौड़ लगाकर एकता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान नाट्य संस्था वयम के कलाकारों ने कालेज में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक देख लोग काफी प्रेरित हुए। प्रिंसिपल ने बताया कि सरदार पटेल पक्के इरादे वाले व्यक्ति थे। उनके हर कार्य से सीख मिलती है। लोगों को प्रेरित करने के लिए कालेज के ऑडिटोरियम में उनके जीवन पर आधारित फीचर फिल्म 'सरदार पटेल : आयरन मैन आफ इंडिया' भी छात्रों को दिखाई गई। फिल्म से दर्शकों को इस दिन के महत्व को समझाया गया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर कालेज की पुस्तकालय में प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में सरदार पटेल की ओर से उन पर लिखी पुस्तकों को रखा गया है। कार्यक्रम का संयोजन सुमन खरबंदा ने किया। नुक्कड़ नाटक अंशु चोपड़ा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

Students of Shivaji College during the *nukkad-natak*

कॉलेज के विकास के लिए छात्रों ने डाले वोट

● डूसू चुनाव में छात्रों में रहा गजब का उत्साह ● कालेज प्रशासन ने किए थे पर्याप्त इंतजाम

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव (डूसू) में इस बार नजारा कुछ अलग ही देखने को मिला। कॉलेज के नए व पुराने छात्रों ने इस बार किसी पार्टी विशेष के प्रभाव में न आकर कालेज के विकास के मुद्दे पर मतदान किया। पश्चिमी दिल्ली के शिवाजी और राजधानी कॉलेज के कई छात्रों से बात की गई तो उनका साफ कहना था कि प्रत्याशियों के किए वादों को आधार मानकर ही वे मतदान करने पहुंचे। कालेज प्रशासन ने भी शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पर्याप्त इंतजाम किए थे। सुबह से ही मतदान के लिए छात्रों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

संतोष कुमार अध्यक्ष चुने गए

जासं, पश्चिमी दिल्ली : शिवाजी कॉलेज में कुल 3500 छात्रों में से मात्र 1627 छात्रों ने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां कालेज छात्र संघ चुनाव के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और सेंट्रल काउंसलर के लिए कुल 14 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें संतोष कुमार अवस्थी अध्यक्ष, प्रीति उपाध्यक्ष, आदित्य जैन सचिव और आकाश सोनी संयुक्त सचिव पद पर विजयी रहे। इन्हें क्रमशः 656, 633 व 757 मत मिले, जबकि आकाश सोनी निर्विरोध चुने गए हैं। राजधानी कॉलेज में सेंट्रल काउंसलर के लिए छह प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें मंजुल शर्मा और शीतल यादव ने सीसी के पद पर जीत हासिल की।

शिवाजी कालेज में डूसू चुनाव के दौरान वोट डालने के लिए लाइन में खड़े विद्यार्थी।

एबीवीपी के समर्थन में कई बड़े नेता सक्रिय नजर आए

जासं, पश्चिमी दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को विगत वर्ष मिली जीत को बरकरार रखने के लिए भाजपा के कई दिग्गज चुनाव के दौरान भी सक्रिय नजर आए। शिवाजी कालेज में चल रहे डूसू चुनाव में एबीवीपी को जीत दिलाने के लिए एक ओर जहां विधायक जगदीश मुखी कालेज के बाहर डेरा डाले हुए थे, वहीं दूसरी तरफ राजधानी कालेज में सदन के नेता सुभाष आर्य ने एबीवीपी के समर्थन में छात्रों को वोट डालने के लिए कहा। सुभाष आर्य करीब 11 बजे समर्थकों के साथ राजधानी कालेज पहुंचे। समर्थकों ने वोट फॉर एबीवीपी के नारे लगाए, वहीं जगदीश मुखी कुर्सी डालकर ही कालेज के बाहर बैठे रहे। उनके साथ पार्षद श्याम शर्मा रजनी ममतानी सहित अन्य भाजपा के कार्यकर्ता साथ थे। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी की तरफ से कोई नेता नजर नहीं आया।

मैं तीसरे वर्ष की छात्रा हूं। मैंने अपना वोट कॉलेज के विकास के लिए दिया है। हालांकि मेरा भाई भी कॉलेज में प्रत्याशी के तौर पर खड़ा है, मगर मैंने विकासात्मक मुद्दों को ध्यान में रखकर वोट देने का फैसला किया है।

-मोहिनी शर्मा, शिवाजी कॉलेज।

मैं प्रथम वर्ष की छात्रा हूं। प्रत्याशियों ने कॉलेज में व्याप्त समस्याओं को दूर करने का वादा किया है। उन्हीं मुद्दों ने मुझे वोट डालने के लिए प्रेरित किया है।

-प्रियंका, छात्रा शिवाजी कॉलेज।

मतदान शांतिपूर्ण कराने के लिए सभी शिक्षक सुबह 7 बजे ही कॉलेज पहुंच गए थे। बिना पहचान पत्र के किसी भी छात्र को कालेज में प्रवेश नहीं करने दिया गया। चुनाव शांतिपूर्ण रहा।

-डॉ. दर्शन मलिक, संयोजक, अनुशासन समिति, शिवाजी कॉलेज।

छात्रों ने लाइन में लगकर शांतिपूर्ण मतदान किया। चुनाव के दौरान सभी छात्रों पर सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखी जा रही थी। कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। किसी भी छात्र को पंफलेट आदि कॉलेज परिसर में नहीं लाने दिया गया।

-शशि निझावन, प्रधानाचार्य, शिवाजी कॉलेज।

डूसू चुनाव में पढ़ाई प्रभावित न हो किया जा रहा प्रयास : शशि

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : शिवाजी कालेज की प्रधानाचार्य शशि निझावन का कहना है कि 12 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) का चुनाव होना है, मगर उनके कालेज में अभी तक बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि नॉर्थ कैंपस से प्रत्याशी कालेज के बच्चों को लेने के लिए आते हैं। बसों को कालेज से दूर खड़ा कर देते हैं। मगर कालेज प्रशासन का इस ओर ध्यान रहता है। क्लास के दौरान बाहरी छात्रों को प्रवेश नहीं करने दिया जाता। कालेज में प्रवेश करने वाले सभी छात्रों के पहचान पत्र के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है।

डूसू चुनाव को लेकर कालेज में अभी कोई पोस्टरबाजी का माहौल नहीं है। कालेज की अनुशासन समिति इस मामले में काफी सख्ती से पेश आ रही है। समूह में छात्रों को एकत्रित नहीं होने दिया जा रहा है। हालांकि कुछ प्रत्याशी पंफ्लेट लेकर छात्रों के बीच बांटते हैं। इसके बाद उन्हें कालेज परिसर में डाल देते हैं। इस पर प्रत्याशियों को समझाया जाता है कि वे अपने फोटो लगे पंफ्लेट को मैदान में न डालें। बावजूद इसके कोई छात्र ऐसा करता हुआ पाया जाता है तो छात्र से ही पंफ्लेट उठवाए जाते हैं। प्रधानाचार्य का कहना है कि डूसू चुनाव में अभी तीन दिन बाकी है, मगर अभी कालेज का माहौल शांत है। सुरक्षा के मद्देनजर कालेज में सीसीटीवी कैमरा से लेकर दिल्ली पुलिस व निजी सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि किसी तरह का कोई हुड़दंग कालेज में न हो पाए।

महिलाओं के उत्थान में पुरुषों का सहयोग जरूरी : शशि निझावन

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : शिवाजी कॉलेज की प्रधानाचार्य का शशि निझावन का मानना है कि महिला

सशक्तीकरण को तभी बल मिल सकता है, जब पुरुषों का उनको साथ मिले। पुरुषों के सहयोग के बिना महिला शक्ति का उत्थान हो पाना संभव नहीं है। प्रधानाचार्य का कहना है कि शिवाजी कॉलेज की वूमन डवलपमेंट सेल इस संबंध में कॉलेज के अंदर समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसमें छात्र-छात्राएं व कॉलेज की महिला शिक्षक समान रूप से हिस्सा लेती हैं। कार्यक्रम का मकसद युवाओं को साथ लेकर उनकी मानसिकता में परिवर्तन लाना है। यदि पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आता है, तो वे अपने घरों में बहनों की तरह ही बाहर भी अन्य महिलाओं को मां-बहनों का दर्जा दे सकते हैं। युवाओं के दिमाग को बदलना जरूरी है। इसलिए शिवाजी कॉलेज का वूमन डवलपमेंट सेल इस दिशा में समय-समय पर महिला सशक्तीकरण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। कार्यक्रम के तहत कॉलेज में रक्त जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़े इसके लिए भी जागरूकता अभियान चलाया जाता है। स्वास्थ्य जांच शिविर का भी कार्यक्रम के तहत आयोजन किया जाता है।

...s society presenting a street play on organ donation

VARIETY

DU, celebs pledge to donate organs

Organ donation is a cause that's gaining in public mindspace these days, and that was evident when Shivaji College, DU, recently organized a two-day campaign around it. The event started with a welcome address by college principal Dr Shashi Nijhawan. She said, "The campaign aims to urge people from all walks of life to associate with the college for the noble cause of pledging their organs to help save lives." The first day also had in attendance Jaya Prada, actress and politician, who said, "One individual can't make a difference to society; a collective effort is required for it." Cricketer Murali Kartik told us that organ donation had a personal resonance in his life because of his mother's kidney failure.

The event, called Walkathon - Walk for Life, was flagged off by Dr Nijhawan, Jaya Prada and Kartik at the college's sports ground. Almost 2,000 participants, including staff and students, followed the designated route around Shivaji College carrying banners and chanting slogans, besides distributing pamphlets to sensitize and make the general public aware of the need for and importance of organ donation. The Dramatics Society of the college, Vayam, performed a short street play at various points on the route.

The campaign ended with a seminar on the second day, which saw faculty and students pledge to donate their organs.

Sanchita Kalra

Jaya Prada

Students carried touching placards on their walk

Dr Shashi Nijhawan

1,500 walk to collect organ vows

TIMES NEWS NETWORK

Yogesh Kumar

Murali Kartik takes part in the walk with students

New Delhi: The Times of India's campaign to create awareness about organ donation in India has found resonance among youth who have now taken upon themselves to carry the message forward. On Wednesday, more than 1,500 students of Shivaji College, Delhi University, took a walk around the campus holding placards and banners educating people about the importance of donating organs.

Actor-turned-politician Jayaprada, cricketer Murali Kartik and hundreds of teachers from the college participated in the walk.

"We hope to collect at least ...000 pledges from students and teachers by Thursday. People living in the neighbourhood or working here are also invited to ...in the cause," Shashi Nijhawan, principal, Shivaji College, said. She said thousands of people die in India due to unavailability of organs required for life-saving transplant procedures. ...y 10% patients suffering end-stage kidney or liver failure are able to get a matching donor in the family. The rest are dependent on cadaver donations which are rare. Our effort is to sensitize people towards pledging their organs so that they can be used for needy patients," Nijhawan said.

The principal, college teachers, staff members and hundreds of students walked more than two kilometres talking to people about the organ donation campaign and asking them to pledge their organs. The dramatics society of the college—Vayam—also performed a nukkad natak to draw public attention.

"We have been working on this campaign for almost a month. Our students have prepared the nukkad natak, slogans and banners with newspaper cuttings to send out the message about organ donation," said a faculty member.

Students said they were excited to be a part of the movement. "This campaign has given an opportunity to youngsters like me to know about the importance of organ donations and spread awareness about them in society. I am confident such initiatives would help in increasing the number of organ donations manifold, thus saving lives," said Gunjan Katiyal, a biochemistry student.

The college will organize an awareness seminar on the campus on Thursday as part of its two-day campaign in collaboration with Mohan Foundation in which senior liver transplant surgeon Dr Ravi Mohanka and transplant coordinator Dr Muneet Kaur Sahi will speak. This will be followed by pledging of organs. In case of brain death, more than 34 organs and tissues including the heart, lungs, liver, kidney, intestines, pancreas, eyes, heart valves, skin, bone marrow, connective tissue, middle ear and blood vessels can be retrieved.

A living person can donate only for immediate blood relations. He or she can donate kidney, a portion of the pancreas and part of the liver.

Over 350 pledge their organs at Shivaji College

Rajesh Mehta

NOBLE GESTURE: A donation camp in progress on Thursday

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: More than 350 students and teachers pledged to donate their organs at an awareness programme at Shivaji College on Thursday. Many students also carried organ donation forms to home to convince their family members to join the cause.

"A total of 350 students and teachers, including myself, pledged to donate our organs on Thursday. But this number is likely to go up several times because most of us also carried extra forms home. I have taken two extra forms for my husband and son," said Shashi Nijhawan, principal, Shivaji College. She said The Times of India's campaign to create awareness about organ donation was the inspiration behind their initiative which included a walk and a seminar addressed by experts like Dr Ravi Mohanaka, liver transplant surgeon, and Dr Muneet Kaur Sahi, transplant coordinator, Mohan Foundation.

Dr Mohanka said end-stage organ failure is a common problem throughout the world. "Medical advances in the fields of transplant, immunology, surgery and organ preservation have given a ray of hope to these people by means of transplantation. Still, many people die due to lack of donors," he said. The transplant surgeon added, "There are 60 patients waiting for liver transplants in our hospital."

Sahi said there cannot be "any contribution to humanity bigger than donating organs".

टीचर-स्टूडेंट मिलकर लेंगे अंगदान की शपथ

भूपेंद्र ॥ राजा गार्डन

ऑर्गन डोनेशन से न जाने कितने लोगों को नई जिंदगी मिल सकती है, बस जरूरत है इस बारे में लोगों को जागरूक करने की। दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज ने इसी मकसद से ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस ड्राइव चलाने का फैसला किया है।

डीयू में यह पहला मौका होगा, जब कोई कॉलेज इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। दो दिन के इवेंट के दौरान शिवाजी कॉलेज के स्टूडेंट्स और टीचर्स ऑर्गन डोनेट करने की शपथ लेंगे।

इस कैंपेन की शुरुआत 4 सितंबर को हो रही है। इस दिन कॉलेज स्टाफ की ओर से वॉक फॉर लाइफ का आयोजन किया जा रहा है। करीब दो हजार से ज्यादा स्टूडेंट व टीचर्स इस वॉक में शामिल होंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। कॉलेज के साथ एनजीओ के अधिकारी भी होंगे। अभियान के दौरान लोगों को बताया जाएगा कि ऑर्गन डोनेशन का मकसद क्या है? कॉलेज की विमिन डिवेलपमेंट सेल की ओर से यह आयोजन किया जा रहा है। सेल की कन्वीनर अंशु चोपड़ा के मुताबिक, क्रिकेटर मुरली कार्तिक भी इस रैली में शामिल होंगे। साउथ कैंपस के डायरेक्टर प्रो. उमेश राय भी रैली में भाग लेंगे।

शिवाजी कॉलेज के सीनियर टीचर डॉ. वीरेंद्र भारद्वाज का कहना है कि डीयू में पहली बार हजारों स्टूडेंट्स व टीचर्स ऑर्गन डोनेशन की इस मुहिम में शामिल होंगे। दो दिन के ऑर्गन डोनेशन सेंसटाइजेशन प्रोग्राम में आम लोगों को भी शामिल किया जाएगा। उनका कहना है कि मुश्किल यह है कि देश में ऑर्गन डोनेशन को लेकर जागरूकता नहीं है। बहुत सारे लोग ऑर्गन डोनेट करना चाहते हैं लेकिन उन्हें जरूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

डीयू के शिवाजी कॉलेज की खास मुहिम

युवाओं को भगत सिंह को अपना आदर्श बनाना चाहिए : माकन

शिवाजी कॉलेज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को रोल मॉडल के बारे में बताते हुए वक्ता गण।

नई दिल्ली (वसं)। शिवाजी कॉलेज के व्यावसायिक अर्थशास्त्र के सालाना उत्सव में विभिन्न दलों के नेताओं ने राजनीति से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर युवाओं को रोल मॉडल का पाठ पढ़ाया। 'देश का आर्थिक विकास कैसे कर सकते हैं,' इस विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पटेल चेस्ट के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय शहरी आवास और गरीबी उन्मूलन मंत्री

- नेताओं ने युवाओं को पढ़ाया रोल मॉडल का पाठ
- नेशनल दुनिया कार्यक्रम का मीडिया पार्टनर

अजय माकन ने कहा कि आज युवाओं को अपना रोल मॉडल भगत सिंह को बनाना चाहिए। उनके रास्ते पर चलने से ही देश का विकास हो सकता है।

शिवाजी कॉलेज का व्यावसायिक अर्थ-शास्त्र का सालाना उत्सव

शनिवार शहीदी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया पार्टनर के रूप में नेशनल दुनिया ने भाग लिया।

श्री माकन ने कहा कि आज देश की आबादी में युवाओं की संख्या करीब 65 फीसदी है। 18 से 35 वर्ष के युवाओं को सही दिशा दिखाने से ही आर्थिक विकास हो सकता है। इन्हें गलत दिशा दिखलाना खतरनाक है। कार्यक्रम में छात्रों ने भगत सिंह की भतीजी इंदरजीत कौर को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में कम्युनिट पार्टी मार्क्सवादी की वृंदा करात, जनता पार्टी के सुब्रमण्यम स्वामी और भारतीय जनता पार्टी की निर्मला सीतारमन ने भी वक्ता के रूप में भाग लिया। सभी वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि देश के आर्थिक विकास में रोल मॉडल की भूमिका महत्वपूर्ण है।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो चमन लाल ने भगत सिंह की विचारधारा और देश को लेकर उनके सपनों से युवाओं को परिचित कराया। कार्यक्रम के आखिर में माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली विश्व की प्रथम महिला पर्वतारोही संतोष यादव से रूबरू कराया गया। उन्होंने कहा कि अगर आपमें कुछ करने का जज्बा और जुनून है तो मंजिल एक न एक दिन जरूर मिलेगी। प्राचार्य डॉ शशि निझावन ने बताया कि शहीदी दिवस के मौके पर छात्राओं को रोल मॉडल के बारे में प्रेरित करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य था।

MARTYR'S DAY

IDEOLOGY Academicians and politicians deliver lectures at Invoke-Envisioning Thoughts.

Bringing youth power upfront

At a time when youth's potential plays a significant role in bringing about reform in society, the biggest challenge is in channelising their energy. The Department of Business Economics, Shivaji College, Delhi University, organised a series of lectures on the power the youth had in bringing about change.

'Invoke – Envisioning Thoughts' was a daylong session by well-known academicians and politicians. Dr Subramanian Swamy, president of the Janata Party, Brinda Karat, politburo member of the Communist Party of India (Marxist), Nirmala Sitaraman, national spokesperson for the BJP, and Prof Chaman Lal, Hindi Translation at the Centre of Indian Languages, JNU, were present, among others.

To mark Martyr's Day, the students felicitated Inderjit Kaur who is the niece of the great martyr, Shaheed Bhagat Singh. Minister of Housing and Urban Poverty Alleviation Ajay Maken, in his speech, highlighted the role of youth in business and entrepreneurship, education and social uplift.

Professor Chaman Lal spoke about Bhagat Singh's ideologies and his dream of India as a nation.

"I liked Chaman Lal's views about Bhagat Singh – he made a link between Bhagat Singh and the youth of today. The best part was that we were made aware of the books that he used to read."
DIVENEET

India's economic policies and political systems were highlighted by Dr Subramanian Swamy. He urged the students to stick to their moral obligations which would indirectly help in nation-building.

While Brinda Karat and Nirmala Sitaraman debated capitalism, its evolution into crony capitalism, Prof Yogendra Yadav, social scientist and member of the governing council of the Indian Council of Social Science, emphasised the concept of nation-building by rising above the self.

Reacting to the lectures, Diveneet, a student of Shivaji College, said, "I liked Chaman Lal's views about Bhagat Singh – he made a link between Bhagat Singh and the youth of today. The best part was that we were made aware of the books that he used to read. Surprisingly, we have never heard of these books, but now we will search the bookstores!"

DHNS

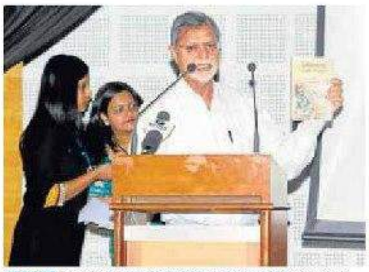

MENTOR Prof Chaman Lal talks about Shaheed Bhagat Singh.

राजधानी कॉलेज ने विभिन्न मदों की 2010 रुपये फीस माफ की

फैसला : डीयू के कई कॉलेजों ने फीस घटाई

नई दिल्ली | अभिनव उपाध्याय

डीयू के कई कॉलेजों ने कोविड-19 से उपजी स्थिति के बाद छात्रों की परेशानियों को समझते हुए उनकी फीस घटाने का निर्णय लिया है। अभी शिवाजी कॉलेज और राजधानी कॉलेज ने फीस घटा दी है। बांकी तीन कॉलेजों ने भी फीस घटाने की घोषणा कर दी है।

शिवाजी कॉलेज में सोमवार को हुई गवर्निंग बॉडी ने बड़ा निर्णय लेते हुए द्वितीय व तृतीय वर्ष के सभी छात्रों की विभिन्न मदों की 6350 रुपये प्रति छात्र फीस माफ कर दी है। कॉलेज के प्रिंसिपल शिव कुमार सहदेव का कहना है कि कॉलेज में कोविड के चलते बड़ा कार्यक्रम नहीं हुआ। तमाम सोसाइटी के पैसे थे और छात्र कॉलेज की कई सुविधाओं का उपयोग नहीं कर रहे हैं ऐसे में हमने सभी 3700 स्नातक व परास्नातक के छात्रों की फीस विभिन्न मदों की जोड़ कर माफ कर दी है।

राजधानी कॉलेज का महत्वपूर्ण कदमः राजधानी कॉलेज की गवर्निंग बॉडी ने यह प्रस्ताव पास किया है कि जिस मद में छात्र से पैसा लिया है और छात्र उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं ऐसे मद में छात्रों का पैसा इस सत्र में नहीं लिया जाएगा। कॉलेज ने 2010 रुपये फीस से माफ करने का निर्णय लिया है। कॉलेज के प्रिंसिपल डा.राजेश गिरी का कहना है कि छात्रों की सुविधा को देखते हुए इस सत्र यह निर्णय लिया गया है। युवा सोसाइटी के संयोजक डा. आनंद प्रकाश का कहना है कि प्रिंसिपल को फीस मांफी को पत्र लिखा गया है।

किस्त से लेकर माफी तक

लक्ष्मीबाई कॉलेज ने सभी छात्राओं को अपने यहां किश्त में फीस जमा करने की सहूलियत दी है। कॉलेज की प्रिंसिपल डा. प्रत्यूष वत्सला का कहना है कि कॉलेज ने फीस देने में परेशानी व्यक्त करने वाली छात्राओं से आवेदन लिया और ऐसी लगभग 100 छात्राओं की पूरी फीस माफ की। कॉलेज की भूतपूर्व शिक्षिका कौशल्या वर्मा द्वारा 10 लाख का मिला दान शामिल है।

सेंट स्टीफंस कॉलेज ने कहा जो फीस नहीं दे सकते बताएं

सेंट स्टीफंस कॉलेज के छात्रों ने कोविड के कारण सभी छात्रों की फीस नहीं लेने बात के लिए गवर्निंग बॉडी को पत्र लिखा था लेकिन यह मंजूर नहीं हुआ। फिर भी कॉलेज ने कहा कि जो छात्र फीस देने में सक्षम नहीं है वह छात्र हमें लिखित दें कॉलेज उनके लिए हर संभव प्रयास करेगा।

आर्थिक मदद की घोषणा

आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज ने भी आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की आर्थिक मदद करने की घोषणा की है। कॉलेज के प्रिंसिपल डा.ज्ञानतोष झा का कहना है कि हम कॉलेज के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को चिन्हित कर उनकी फीस से एक हिस्सा कम करेंगे। कोविड से उपजी स्थिति के बाद थोड़ी मदद भी छात्रों के लिए बहुत सहयोगी साबित होगी।

छात्रा को न्याय मिलने

मालिकाना हक के लिए कार्यशाला हुई